

5/8

आजमे पत्रवली मूलवप के साथ पत्र हउ) पत्रिका
मूलवपविक्रम होयुका है। अखर म.पत्र का आज
पत्रके का काम औरिये नही है अतः म.पत्र रणपि
किम नानाही। पत्रवली नम्बर से कम होक कर
वकीम दखिमदखल की जावो

उप खण्ड अधिकारी
प्रो.प्र.प्र. (वपवप)